ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
बिहार कृषि विश्वविद्यालय
सबौर, बिहार

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 03-10-2023

किशनगंज(बिहार) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-10-03 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-10-04	2023-10-05	2023-10-06	2023-10-07	2023-10-08
वर्षा (मिमी)	35.0	30.0	30.0	5.0	5.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	31.0	30.0	31.0	32.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	24.0	23.0	24.0	25.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	90	90	85	85
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	70	65	65
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	10	15	15	15	10
पवन दिशा (डिग्री)	110	70	70	70	90
क्लाउड कवर (ओक्टा)	7	7	7	6	5

मौसम सारांश / चेतावनी:

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, आगामी पांच दिनों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। आसमान में मुख्यत: बादल छाए रहेंगे। इस दौरान पूर्वा हवा चलेगी। आईएमडी, पटना के दैनिक मौसम बुलेटिन के अनुसार, अगले पांच दिनों में तापमान में कोई विशेष परिवर्होतन की संभावना नहीं है।

सामान्य सलाहकार:

जो किसान एंड्रॉइड मोबाइल का उपयोग कर रहे हैं, उन्हें आंधी और बिजली के बारे में शुरुआती अलर्ट के लिए दामिनी ऐप, मौसम आधारित कृषि-सलाह के लिए मेघदूत ऐप, थंडर / बारिश के लिए मौसम और रेन अलार्म ऐप डाउनलोड करना चाहिए।वर्तमान मौसम की स्थिति में, धान के खेत में ब्राउन प्लांट हॉपर (बीपीएच) के लिए निरंतर निगरानी की सलाह दी जाती है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे फसल के खेत के बीच में प्रवेश करें और मच्छर जैसे कीट को पौधे के मूल भाग में देखें। यदि खेत में 5-10 हॉपर/हिल दिखाई देते हैं तो साफ मौसम में इमिडाक्लोप्रिड 17.8 प्रतिशत एससी @ 1.0 मिली/3 लीटर पानी मे मिलाकर छिड़काव करने की सलाह दी जाती है।

लघु संदेश सलाहकार:

अगले चार दिनों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना को देखते हुए, किसान भाइयो को सलाह दी जाती है कि खड़ी फसल में सिंचाई के लिए प्रतीक्षा करे|

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान की फसल मे गंधी बग कीट की निगरानी की सलाह दी जाती है जो दाना बनने की अवस्था मे पहुंचता है यह दुधिया अवस्था मे फसल को बहुत नुकसान पहुंचाता है परिणाम स्वरूप धान का दाना सफेद और चैफी हो जाता है। गंधी बग को नियंत्रित करने के लिये सुबह या देर शाम को फॅलिडोल पाउडर @ १०-१५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर से डस्टिंग करने की सलाह दी जाती है।
रेपसीड	तोरिया की बुआई के लिए भूमि की तैयारी की सलाह दी जाती है। भूमि की तैयारी के दौरान प्रति हेक्टेयर 100 क्विंटल कम्पोस्ट, 30 किलोग्राम नाइट्रोजन, 40 किलोग्राम फास्फोरस, 40 किलोग्राम पोटाश और 20-30 किलोग्राम सल्फर का प्रयोग करने की सलाह दी जाती है। जिंक की कमी वाली भूमि में 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट/हेक्टेयर का प्रयोग करने का सुझाव दिया जाता है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे बुआई के लिए अनुशंसित किस्मों जैसे RAUTS-17, पांचाली, PT-303 और भवानी की व्यवस्था करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
मूली	मूली की बुवाई की सलाह दी जाती है। कोसी क्षेत्र में बुवाई के लिए पूसा चेतकी, पूसा देसी, जौनपुरी, पूसी हसनी, जपानी सफेद, पूसा रश्मि, पंजाब सफेद और अरका निशांत किस्मों की सलाह दी जाती है। बीज दर @ 4-5 किग्रा / हेक्टेयर का सुझाव दिया जाता है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	किसान भाईयो को सलाह दि जाती है कि वर्षा ऋतु के अंत मे प्रत्येक पशु को कृमि रोधक दवा अवश्य खिला दे।